Popular Front of India

+91 11 2 9949902
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/Pfiofficial

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
5 जनवरी 2020

जेएनयू छात्रों पर हमला फासीवादी ताक़तों की कायरतापूर्ण हरकत

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के उप–चेयरमैन ओ.एम.ए. सलाम ने जेएनयू के छात्रों और अध्यापकों पर एबीवीपी के गुंडों द्वारा बर्बर हमले की कड़ी निंदा की है। भले ही यह हमला एबीवीपी ने किया है, लेकिन इसका मास्टरमाइंड आरएसएस है। उन्होंने कहा कि यह हमला भारत के राजनीतिक परिदृश्य में एक नया पतन लेकर आया है, जहां विरोध की आवाज़ों को बर्बर तरीके से दबाया जाता है। 2014 में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से जेएनयू, सरकार के ख़ास निशाने पर रहा है। यह केवल संयोग नहीं है, बल्कि जेएनयू जैसे विश्वविद्यालयों की रगों में दौड़ने वाली लोकतांत्रिक संस्कृति को बदनाम करने और दबाने की सोची समझी रणनीति पर अमल किया जा रहा है।

आरएसएस की मातहत फासीवादी ताक़तें हमेशा से ही, फासीवादी विचारधारा की आलोचना करने वाले छात्रों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठनों के प्रति असहिष्णु रही हैं। आज जेएनयू छात्रों पर किए गए हमले ने फासीवादी ताक़तों को बेनक़ाब कर दिया है कि ये हिंसा पर यक़ीन रखने वाले और उसे बढ़ावा देने वाले लोग हैं। आज देश फासीवादी हमले के बदतरीन दौर से गुज़र रहा है। चाहे वो जामिया और एएमयू में सीएए–विरोधी प्रदर्शनों पर हमला हो या यूपी, आसाम और कर्नाटक में पुलिस की फायरिंग से प्रदर्शनकारियों की निर्मम हत्या, हर तरह से हिंदुत्व फासीवाद और शासक दल की हिंसक सोच जगज़ाहिर हो चुकी है।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जेएनयू के छात्रों के साथ खड़ा है और सिविल सोसाइटी से भी अपील करता है कि वे छात्र समुदाय के साथ खड़े हों, क्योंकि छात्रों पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। हम इस बात पर पूरा यक़ीन रखते हैं कि हिंसा की ऐसी कायरतापूर्ण हरकतों से लोकतांत्रिक आवाज़ों के हौसले को तोड़ा नहीं जा सकता, बल्कि इससे लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने का उनका विश्वास और मज़बूत होगा।

डॉ. मोहम्मद शमून
डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली